

## भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की शुरुआत

प्रासंगिकता: जीएस 1: भारतीय संस्कृति - प्राचीन से आधुनिक काल तक कला रूपों, साहित्य और वास्तुकला के प्रमुख पहलू।

मुख्य वाक्यांश: भारत का सांस्कृतिक पुनर्जागरण, काशी तमिल संगमम , एक भारत श्रेष्ठ भारत, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, बनारसी सिल्क साड़ी, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोजेक्ट, टेक्सटाइल कॉन्क्लेव, 5एफ फॉर्मूला।

### चर्चा में क्यों?

- महीने भर चलने वाले काशी तमिल संगमम , जिसने तमिल संस्कृति को प्रदर्शित किया, ने एक नए युग की शुरुआत की, जहां प्राचीन भारतीय परंपराएं एक दूसरे के साथ मिलती हैं और आधुनिक प्रथाओं की मदद से पुनर्जीवित होती हैं ताकि वे सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में योगदान दे सकें।
- इसने 2047 तक एक विकसित देश बनने के भारत के मिशन को एक समृद्ध सांस्कृतिक संदर्भ दिया। इस आयोजन ने एक भारत श्रेष्ठ भारत की हमारी परंपरा को आगे बढ़ाया है।



### प्राचीन जुड़ाव:

- काशी, दुनिया के सबसे पुराने जीवित शहरों में से एक, और तमिलनाडु, जहां लोग गर्व से दुनिया की सबसे पुरानी भाषा बोलते हैं, प्राचीन भारतीय सभ्यता के विशाल स्तंभ हैं।
- दोनों में समृद्ध, पुरानी कलाएं, संगीत, शिल्प कौशल, दर्शन, आध्यात्मिकता और साहित्यिक परंपराएं हैं।
- प्राचीन काल से, दक्षिण भारत में उच्च शिक्षा विद्वानों द्वारा काशी की यात्रा के बिना पूरी नहीं मानी जाती थी।
- रामेश्वरम के लोग कोटि में डुबकी लगाएंगे तीर्थ (मंदिर में) दर्शन के लिए काशी जाने से पहले, और वे रामेश्वरम में मंदिर में अभिषेक के लिए काशी से (गंगा) पानी वापस लाएंगे।
- ऐतिहासिक काशी विश्वनाथ गलियारे के निर्माण की सरकार की पहल , जो ज्योतिर्लिंग को गंगा से जोड़ती है, निवासियों और आगंतुकों के लाभ के लिए परंपराओं को आधुनिकता के स्पर्श से अलंकृत करती है।

### संगमम का महत्व :

- एकीकृत विरासत:
  - संगमम ने आधुनिक विचार, दर्शन, प्रौद्योगिकी और शिल्प कौशल के साथ हमारी विरासत और प्राचीन ज्ञान को फिर से खोजने और एकीकृत करने के लिए एक अनूठा मंच तैयार किया।
  - यह ज्ञान का एक नई शाखा बनाता है और नवाचारों को बढ़ावा देता है जो हमारे कारीगरों, बुनकरों, उद्यमियों और व्यापारियों की मदद करेगा।

- उदाहरण के लिए, वाराणसी, बनारसी रेशम साड़ियों के लिए प्रसिद्ध है और कांचीपुरम अपनी झिलमिलाती रेशमी साड़ियों के लिए।
  - दोनों क्षेत्रों के बुनकरों और उद्यमियों को एक-दूसरे के साथ बातचीत करने और ब्रांडिंग, गुणवत्ता नियंत्रण, विपणन, उत्पाद स्थिरता, आधुनिक मशीनरी के उपयोग और मूल्यवर्धन के आधुनिक तरीकों के संपर्क से बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं।
- **सरकारी नीतियों के माध्यम से सुविधा:**
  - संगमम इस सरकार की नीतियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा था।
  - ये नीतियां विकास को गति देने को सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं, जिसमें गरीब से गरीब व्यक्ति के कल्याण, भारतीय संस्कृति के प्रति प्रेम और स्थानीय उद्योगों और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने पर ध्यान दिया जाता है।
- **एक जिला एक उत्पाद :**
  - एक जनपद एक उत्पाद योजना का जोरदार प्रचार कर रही है जो भारतीय उत्पादों को विश्व बाजार में ले जाएगी।
  - पीएम इन उत्पादों के ब्रांड एंबेसडर हैं और इन्हें विश्व नेताओं को उपहार में देते हैं।
  - साड़ियों के अलावा, कपड़ा सम्मेलन लकड़ी के खिलौनों पर भी आधारित था। वाराणसी के पारंपरिक लकड़ी के खिलौने अधिक निर्यात हो रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किए जा रहे हैं।
- **पारंपरिक उत्पाद:**
  - डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क और गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस जैसी अन्य सरकारी पहलों से पारंपरिक उत्पादों को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

#### टेक्सटाइल पर फोकस:

- **वस्त्र सम्मेलन:**
  - संगमम के दौरान सरकार ने 'टेक्सटाइल कॉन्क्लेव' का आयोजन किया। तमिलनाडु और काशी के कपड़ा उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने अपने अनुभव साझा किए और अमृत काल विजन 2047 पर एक सत्र में विचारों का आदान-प्रदान किया। वे 2030 तक वस्त्र निर्यात को 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने और बनाने के सरकार के दृष्टिकोण के बारे में उत्साहित और आश्वस्त थे।
- **वस्त्र क्षेत्र की संभावनाएं:**
  - टेक्सटाइल सेक्टर, जिसमें रोजगार पैदा करने की अपार क्षमता है, 2047 तक एक विकसित देश बनने के हमारे मिशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।
  - भारत का कपड़ा बाजार 2047 तक 12-13% की सीएजीआर से लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है, जबकि इस क्षेत्र से निर्यात दो अंकों में बढ़ने की उम्मीद है।
- **5एफ फॉर्मूला:**
  - 5F फॉर्मूला (खेत, फाइबर, कपड़ा, फैशन, विदेशी) क्षेत्र में विकास को गति देगा और किसानों और बुनकरों के जीवन को बदल देगा। इस दृष्टि को प्राप्त करने के लिए काशी और तमिलनाडु की महत्वपूर्ण भूमिका है।
- **तकनीकी:**
  - तकनीकी, वस्त्र उत्पादन को भी प्रोत्साहित कर रही है, जिसमें असाधारण क्षमता है।
  - इन उत्पादों में कार्यात्मक वस्त्र शामिल हैं जिनका उपयोग वाहनों, सुरक्षात्मक कपड़ों, बुलेटप्रूफ वेस्ट और निर्माण में किया जाता है।
  - मानव निर्मित फाइबर, जो फोकस का क्षेत्र भी है, में विकास और निर्यात की काफी संभावनाएं हैं।

#### निष्कर्ष:

- लगभग 2 लाख लोगों ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के परिसर का दौरा किया जिसने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मेजबानी की और एक लोकप्रिय प्रदर्शनी जिसमें तमिल उत्पादों और व्यंजनों पर प्रकाश डाला गया।
- संगमम ने भारत में एक नए सांस्कृतिक उत्साह को प्रज्वलित किया है।
- संगमम भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की शुरुआत है जो तमिलनाडु और काशी के बंधन तक सीमित नहीं है। यह इस महान देश की सभी संस्कृतियों तक विस्तारित होगा।

स्रोत: द हिंदू

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न:

प्र. काशी विश्वनाथ मंदिर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह भगवान शिव को समर्पित एक प्रसिद्ध हिंदू मंदिर है।
2. यह बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

हल: (c)

- काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव को समर्पित सबसे प्रसिद्ध हिंदू मंदिरों में से एक है। अतः कथन 1 सही है।
- मंदिर पवित्र गंगा नदी के पश्चिमी तट पर स्थित है और शिव मंदिरों में सबसे पवित्र बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अतः कथन 2 सही है।

मुख्य परीक्षा प्रश्न:

Q. "काशी-तमिल संगमम भारत में एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण की शुरुआत का प्रतीक है।" चर्चा कीजिए।

